वर्ष 2021–2022 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा समुचित कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए इसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े, इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार कर्मचारियों के लिए ''सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी'' प्रोत्साहन योजना लागू की गई है।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत राजभाषा विभाग द्वारा यथा–विनिर्दिष्ट सभी 14 दस्तावेजों को अनिवार्य रूप से द्विभाषी रूप में जारी किया जाता है। संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाशी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की मोहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्श तथा मानक फॉर्म द्विभाशी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में भी लाया जा रहा है।

वर्ष 2021–2022 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं :–

- आई.आई.टी. रुड़की द्वारा दिनांक **29 मई, 2021** को आयोजित ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला में संस्थान के तीन पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- नराकास हरिद्वार द्वारा दिनांक **18 जून, 2021** को आयोजित ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला में संस्थान के 17 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 79वीं, 80वीं, 81वीं तथा 82वीं तिमाही बैठकें क्रमशः **29 जून 2021**, **30 सितंबर 2021**, **30 दिसंबर 2021** तथा **24 मार्च, 2021** को आयोजित की गई।

- संस्थान द्वारा दिनांक **30 जून, 2021, 29 सितंबर, 2021, 27 दिसंबर, 2021 तथा 28 मार्च, 2021** को चार हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गई। इनमें संस्थान के कुल 15 अधिकारियों तथा 58 कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

- संस्थान की **वर्ष 2019–20** की वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी रूपांतरण कार्य पूर्ण किया गया।

- नराकास हरिद्वार द्वारा दिनांक **16 जुलाई, 2021** को आयोजित ऑनलाइन समन्वयकर्ता सम्मेलन में संस्थान के दो अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- नराकास, हरिद्वार द्वारा दिनांक **17 अगस्त, 2021** तथा **21 जनवरी, 2021** को आयोजित क्रमशः 32वीं तथा 33वीं अर्धवार्षिक बैठकों में निदेशक, राजसं सहित संस्थान के कुल 07 पदाधिकारियों ने भाग लिया।

- नराकास हरिद्वार के सदस्य संस्थानों के लिए आई.आई.टी. रुड़की द्वारा दिनांक **08 सितंबर, 2021** को आयोजित ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला में संस्थान के 15 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- दिनांक **15 अगस्त, 2021** को संस्थान के 09 पदाधिकारियों को "सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी प्रोत्साहन योजना" के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया।

- संस्थान में दिनांक **08 सितंबर, 2021** से **14 सितंबर, 2021** तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। बेहतर प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारियों को समापन समारोह में पुरस्कार प्रदान किए गए।

- दिनांक **14 सितंबर, 2021** को हिंदी सप्ताह समापन समारोह के अवसर पर संस्थान की वार्षिक हिंदी पत्रिका "प्रवाहिनी" के 28वें अंक (वर्ष 2021) का प्रकाशन/विमोचन किया गया।

- नराकास हरिद्वार द्वारा अपने अधीनस्थ संगठनों के लिए दिनांक **21 सितंबर, 2021** को आयोजित ऑनलाइन "सामान्य हिंदी ज्ञान एवं राजभाषा प्रश्नोत्तरी" प्रतियोगिता में संस्थान के दो पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- संस्थान की वर्ष **2020–21** की वार्षिक हिंदी रिपोर्ट का हिंदी रूपांतरण/प्रकाशन कार्य पूर्ण किया गया।

- सी.बी.आर.आई. रुड़की द्वारा नराकास हरिद्वार के सदस्य संगठनों के लिए दिनांक **26 अक्तूबर, 2021** को आयोजित "हिंदी निबंध" प्रतियोगिता में संस्थान की एक कर्मचारी ने प्रतिभाग किया।

- संस्थान द्वारा शुरू की गई "राजभाषा चल शील्ड" पुरस्कार योजना के तहत दिनांक **16 दिसंबर, 2021** को प्रशासन अनुभाग को पुरस्कृत किया गया।

- संस्थान द्वारा शुरू की गई ''तकनीकी हिंदी पुस्तक लेखन'' पुरस्कार योजना के अंतर्गत दिनांक **16 दिसंबर, 2021**को दो लेखकों को पुरस्कृत किया गया।
- दिनांक **29 दिसंबर, 2021** को संस्थान के क्षेत्रीय केंद्रों के साथ राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 10 पदाधिकारियों ने भाग लिया।
- तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' के दो संस्करण **जनवरी 2021** एवं **जुलाई 2021** प्रकाशित किए गए।